पाक्षिक

खबर आस पास

खबर आस पास RNI REGISTERED

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'सपनों की उड़ान वही भरते हैं, जिनके पंख हौसलों से बने होते हैं।'

संपादक :सत्यन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : गुरूवार 07 मई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

अहमदाबाद में होगा आईपीएल-2026 का फाइनल, बीसीसीआई ने जारी किया प्लेऑफ शेड्यूल

नई दिल्ली एजेन्सी। आईपीएल-2026 का फाइनल मुकाबला अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को प्लेऑफ और फाइनल का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया। पहले फाइनल मुकाबला बेंगलुरु में कराने की योजना थी, लेकिन बाद में वेन्यू बदल दिया गया।

प्लेऑफ का पूरा शेड्यूल

क्वालिफायर-1 – 26 मई 2026, शाम 7:30 बजे, धर्मशाला

एलिमिनेटर – 27 मई 2026, शाम 7:30 बजे, न्यू चंडीगढ़

क्वालिफायर-2 – 29 मई 2026, शाम 7:30 बजे, न्यू चंडीगढ़

फाइनल – 31 मई 2026, शाम 7:30 बजे, अहमदाबाद

बीसीसीआई के मुताबिक, कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन की कुछ मांगें बोर्ड की गाइडलाइंस और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं। इसी वजह से फाइनल को बेंगलुरु से हटाकर अहमदाबाद शिफ्ट किया गया।

दरअसल, कर्नाटक के कांग्रेस विधायक विजयानंद काशप्पनवर ने सुझाव दिया था कि हर विधायक और सांसद को 5-5 IPL टिकट दिए जाएं, क्योंकि जनप्रतिनिधि 'VIP' हैं। इसके बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी और सांसदों को RCB मैचों के लिए 3-3 टिकट देने की घोषणा की थी। सूत्रों के अनुसार BCCI और IPL फ्रेंचाइजी इस व्यवस्था के पक्ष में नहीं थे। इसके बाद बोर्ड ने फाइनल का वेन्यू बदलने का फैसला लिया।

सीजन का ग्रैंड फिनाले लगातार दूसरे साल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। IPL-2025 का फाइनल भी इसी मैदान पर हुआ था, जिसमें Royal Challengers Bengaluru ने Punjab Kings को हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती थी।

पॉइंट्स टेबल में पंजाब टॉप पर Punjab Kings इस समय 13 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं Lucknow Super Giants सबसे निचले पायदान पर मौजूद है।

पॉइंट्स टेबल में पंजाब टॉप पर Punjab Kings इस समय 13 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं Lucknow Super Giants सबसे निचले पायदान पर मौजूद है।

आईपीएल-2026 में कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 70 लीग मैच शामिल हैं। 28 मार्च से शुरू हुए टूर्नामेंट में अब तक 48 मैच खेले जा चुके हैं और प्लेऑफ की रेस बेहद रोमांचक हो गई है।

वंदे मातरम गीत को राष्ट्रगान जैसा दर्जा, कैबिनेट की मंजूरी

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा-जुर्माना; जन-गण-मन से पहले गाया जाएगा

नई दिल्ली एजेन्सी। केंद्र सरकार ने वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी रचित वंदे मातरम पर अब वही नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू हैं। यानी इसके अपमान या गायन में बाधा डालने की स्थिति में सजा होगी। अभी राष्ट्रीय ध्वज,संविधान और राष्ट्रगान के अपमान पर जेल, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है, और अब वंदे मातरम भी इसमें शामिल किया जाएगा।

कानून में बदलाव और सजा का प्रावधान

सरकार वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर यह बदलाव कर रही है। इसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन किया जाएगा। इस धारा के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या उसे रोकता है, तो उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

दोबारा अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है। संशोधन के बाद यही नियम वंदे मातरम पर भी लागू होंगे।

सरकार ने जारी की गाइड लाइन

केंद्र सरकार ने बुधवार को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल के लिए गाइडलाइन जारी की। गाइड लाइन के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक वर्जन, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट और 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए।

इनमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह और ऐसे समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं।

पहले 'राष्ट्रगीत' गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'

अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तो पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान'।दिशा-निर्देशों में आगे यह भी स्पष्ट किया गया है कि दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें।

वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह

गृह मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया है।इस कदम का उद्देश्य स्टूडेंट्स और आम जनता के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरूकता और सम्मान को प्रोत्साहित करना है। यह भी बताया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तो उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक रूप से गायन की शुरुआत का संकेत दिया जाना चाहिए।

सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए छूट

साथ ही, मंत्रालय ने सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट छूट प्रदान की है। निर्देश के अनुसार, फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में वंदे मातरम बजाए जाने पर दर्शकों को खड़े होने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि मनोरंजन स्थलों में दर्शकों को खड़े होने के लिए मजबूर करने से देखने का अनुभव बाधित हो सकता है और संभावित रूप से दर्शकों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है।

चुनाव में 'वंदे मातरम' बना बड़ा राजनीतिक मुद्दा

बजट सत्र के समापन पर संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम के सभी छह अंतरों का पाठ किया गया। पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान भाजपा ने वंदे मातरम को बंगाली अस्मिता और राष्ट्रवाद के प्रतीक के रूप में पेश किया था। पार्टी ने इसके 150 वर्ष पूरे होने पर राज्यभर में सामूहिक गायन और पदयात्राओं का आयोजन किया।साथ ही, बंकिम चंद्र चटर्जी की विरासत को भी चुनावी अभियान में प्रमुखता से उठाया गया।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 37 होगी

कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दी, संसद के अगले सत्र में बिल पेश होगा

नई दिल्ली एजेन्सी। केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे जुड़ा विधेयक पेश करेगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल चीफ जस्टिस समेत 33 जजों की तय संख्या है। सरकार इसमें चार नए जज जोड़ना चाहती है। इसके लिए संसद के अगले सत्र में बिल लाया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद 1956 के कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नए जजों के नाम सरकार को भेजेगा। इससे पहले 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 की गई थी। वहीं, 2008 में जजों की संख्या 26 से बढ़कर 31 हुई थी। शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस के अलावा सिर्फ 10 जजों की व्यवस्था थी।

सुप्रीम कोर्ट में अभी 2 पद खाली

फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में दो पद खाली हैं। जस्टिस बी.आर. गवई नवंबर 2025 में और जस्टिस राजेश बिंदल अप्रैल 2026 में रिटायर हुए थे। आने वाले महीनों में सुप्रीम कोर्ट में तीन और पद खाली होने वाले हैं। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस पंकज मित्तल जून 2026 में रिटायर होंगे, जबकि जस्टिस संजय करोल अगस्त 2026 में सेवानिवृत्त होंगे। संविधान के अनुच्छेद 124(3) के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट का जज वही बन सकता है जो भारतीय नागरिक हो। इसके लिए व्यक्ति का कम से कम पांच साल तक हाईकोर्ट में जज रहना या 10 साल तक वकील के तौर पर काम करना जरूरी है। किसी प्रतिष्ठित कानून विशेषज्ञ को भी सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया जा सकता है।

राजस्थान में फिर बढ़ेगी गर्मी, 9 मई से हीटवेव के आसार

जयपुर(समाचार केन्द्र)। पश्चिमी विक्षोभ का असर अब राजस्थान से खत्म हो गया है। इसके साथ ही प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) जयपुर केंद्र के अनुसार 9 मई से राजस्थान के कई इलाकों में हीटवेव जैसी परिस्थितियां बनने के संकेत हैं।

हालांकि इससे पहले अगले 2 से 3 दिनों तक कुछ स्थानों पर हल्की बारिश, मेघगर्जन और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना बनी हुई है। इस दौरान हवाओं की रफ्तार 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा तक रह सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार 9 मई को जैसलमेर, फलोदी और आसपास के क्षेत्रों में तापमान फिर से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। ऐसे में पश्चिमी राजस्थान और सीमावर्ती इलाकों में 9 से 11 मई के बीच लू का नया दौर शुरू होने की संभावना जताई गई है।

वहीं पूर्वी राजस्थान में फिलहाल भीषण लू की आशंका कम बताई जा रही है, जबकि पश्चिमी हिस्सों में गर्मी का असर ज्यादा रहने की संभावना है।

सवाई माधोपुर जिले में आगामी तीन-चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है।

कृषि संयुक्त निदेशक लखपत लाल मीना ने बताया कि जायद सीजन की फसलों, सब्जियों और फलदार पौधों को गर्मी के असर से बचाने के लिए वैज्ञानिक उपाय अपनाना जरूरी है। किसानों को सुबह या शाम के समय ही सिंचाई करने की सलाह दी गई है। साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर पद्धति को अधिक लाभकारी बताया गया है।

मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए मल्चिंग करने और सब्जी फसलों व नर्सरी पौधों के लिए शेड नेट या अस्थायी छाया की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। फलदार पौधों के तनों पर सफेद चूना लगाने से गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

किसानों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच खेतों में काम करने से बचने और फसलों में मुरझाने के लक्षण दिखते ही तुरंत सिंचाई करने को कहा गया है।

पशुपालकों और आमजन के लिए भी एडवाइजरी

पशुपालकों को पशुओं को छायादार स्थान पर रखने, पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने और सुबह के समय चारा देने की सलाह दी गई है। वहीं लोगों से अधिक पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और समय-समय पर आराम करने की अपील की गई है।

राजस्थान में बढ़ती गर्मी और हीटवेव की चुनौती को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विशेष पहल शुरू की है। विभाग की ओर से सभी जिलों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर उन्हें जिलों में भेजा गया है।

इन अधिकारियों ने चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर हीटवेव प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया है। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अखनूर में आतंकियों से मुठभेड़ : ब्यावर का अग्निवीर शहीद, 4 महीने बाद पूरी होनी थी सेवा

ब्यावर (समाचार केन्द्र)। राजस्थान के ब्यावर जिले के लगेतखेड़ा गांव निवासी अग्निवीर युवराज सिंह चौहान (26) बुधवार को जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हो गए। शहादत की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को उनकी पार्थिव देह गांव पहुंचने की संभावना है, जिसके बाद राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

परिजनों के अनुसार बुधवार सुबह आर्मी हेडक्वार्टर से पिता प्रताप सिंह को फोन कर युवराज के शहीद होने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और ग्रामीण बड़ी संख्या में शहीद के घर पहुंचने लगे।

युवराज सिंह 17 फरवरी 2022 को भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में भर्ती हुए थे। उन्होंने जबलपुर, गोवा और पठानकोट सहित कई सैन्य क्षेत्रों में सेवाएं दीं। वर्तमान में उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में थी, जहां आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया।

पिता प्रताप सिंह ने बताया कि युवराज 15 फरवरी 2026 को एक महीने की छुट्टी पर गांव आए थे और 19 मार्च को वापस ड्यूटी पर लौटे थे। उस दौरान उन्होंने परिवार से कहा था कि उनकी सेवा के केवल चार महीने बाकी हैं। परिजनों ने बताया कि 5 मई की रात ड्यूटी पर जाने से पहले युवराज ने परिवार से फोन पर बात की थी। उन्होंने सभी का हालचाल पूछा था। बुधवार सुबह करीब 11 बजे परिवार ने उन्हें कॉल किया, लेकिन फोन बंद मिला। कुछ समय बाद शहादत की सूचना आ गई।

युवराज के परिवार में छोटा भाई और बहन हैं। उनके पिता प्रताप सिंह भाजपा के मंडल अध्यक्ष भी रह चुके हैं। शहादत की खबर के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि युवराज बचपन से ही देश सेवा का जज्बा रखते थे और सेना में भर्ती होकर उन्होंने अपना सपना पूरा f

वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा तैयारी, लोगो मे उत्साह

महर्षि दयानंद छात्रावास एवं वीर तेजा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले

(खबर आस पास)

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू। वीर तेजाजी महाराज मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी लगातार जारी है एवं कार्यकर्ताओं द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है वहीं सामाजिक बंधुओं द्वारा लगातार सहयोग राशि समर्पित कर रहे हैं । 501000 ओम प्रकाश बाना सरंपच प्रतिनिधि, 51000 मामराज/ अर्जुन राम गोदारा, गुसांईसर, 11000 बजरंग राम चाहर द्वारा राशि ट्रस्ट को सौंपी गई द्य समाज हित के कार्य में सदा सक्रिय रहने वाले पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा तुलसीराम गोदारा, गोपाल सायच, केसरा राम गोदारा, ओम प्रकाश बाना, चांद राम चाहर, सीताराम बाना, सीताराम सिंवर, हरलाल बाना, पेमाराम गोदारा, दुर्गा राम महिया, भंवर लाल जाखड़, गोपाल गोदारा सेरूणा, रामकुमार बेरड, मूला राम सहु, हनुमान महिया, हेतराम जाखड़, श्याम जी आर्य, श्रवण भांबू, सुशील शेरडीया, देवीलाल बाना, आदु राम जाखड़, प्रेम भादू, सीताराम चोटिया, देवकिशन भादू, नेमा राम चाहर, राजू चाहर, भैरा राम चाहर, पप्पू गोदारा, काना राम चाहर, राजेश मंडा, कालू राम बाना , मूला राम थोरी, कोडाराम भादू मास्टर, चुनी लाल टाडा, शंकर पुनिया, भंवर जी जाखड़ रीडी, श्रवण जाखड़, दलीप शेरडीया, गंगा राम बाना सहित गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही द्य ट्रस्ट द्वारा दानदाताओं का आभार जताया गया।

बीकानेर कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी, 16 बम रखने का दावा; परिसर खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन

बीकानेर (खबर आस पास)। राजस्थान के बीकानेर कलेक्ट्रेट कार्यालय को बुधवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एक धमकी भरे ई-मेल में कलेक्ट्रेट परिसर में 16 बम लगाए जाने का दावा किया गया। ई-मेल में दोपहर 12:15 बजे धमाके होने की बात लिखी गई थी।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। एहतियात के तौर पर पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को खाली करवाया गया और सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए बीकानेर एसपी मृदुल कच्छावा भी मौके पर पहुंचे। उनके साथ अन्य अधिकारी और रेस्क्यू टीमें भी मौजूद रहीं। पुलिस ने कलेक्ट्रेट के एक-एक कमरे की गहन जांच की, हालांकि देर तक चले सर्च ऑपरेशन में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

बीकानेर कलेक्टर निशांत जैन ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी गई है। वहीं एसपी मृदुल कच्छावा ने कहा कि निर्धारित एसओपी के तहत कार्रवाई की जा रही है और पूरे परिसर की बारीकी से जांच की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी बीकानेर कोर्ट परिसर और मुख्य डाकघर को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। अदालत परिसर को दो बार निशाना बनाते हुए धमकी दी गई थी, लेकिन जांच में वहां भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला था। मुख्य डाकघर में मिली धमकी भी बाद में अफवाह साबित हुई थी।

पत्रकार दिलीप रॉय ने सादगी के साथ मनाया जन्मदिन

क्षेत्र के पत्रकारों सहित गणमान्य लोगो ने दी बधाई

(खबर आस पास)

नसीराबाद अजमेर कस्बे के वरिष्ठ पत्रकार दिलीप राय ने बुधवार को अपना जन्मदिवस सादगी व सेवा कार्य के साथ मनाया।रॉय ने अपने दिन की शुरुआत अपने स्वर्गीय माता पिता के चित्र के समक्ष नमन कर सुबह कबूतरों को दाना व गायो को हरा चारा व गुड खिलाकर कस्बे के मंदिरों में दर्शन कर दिन की शुरुआत की। दोपहर में पत्रकार दिलीप रॉय ने फ्रामंजी चौक पर स्थित प्रेस कार्यालय पर अपने क्षेत्र के वरिष्ठ दिवंगत पत्रकार अतुल सेठी के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर नमन कर केक काटकर सादगी के साथ जन्मदिवस मनाया। इस मौके पर मौजूद क्षेत्र के पत्रकार अजीत सेठी हरीश गोमा योगेश परिहार, निखिल गुर्जर देव गुर्जर अशोक लोढ़ा अनिल लोहरे दिलीप सैन योगेन्द बुलचंदानी रोहित जैन व गणमान्य लोगो ने को माला पहनाकर रॉय को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

बीकानेर जिला अस्पताल में बनेगा नया महिला एवं प्रसूति विंग, डेढ़ करोड़ रुपए मंजूर

बीकानेर (खबर आस पास)। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास की अभिशंसा पर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) द्वारा राजकीय एसडीएम जिला चिकित्सालय में महिला एवं प्रसूति सेवाओं के विस्तार के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। इस राशि से अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति रोग ओपीडी, लेबर रूम, प्री-डिलीवरी रूम, पोस्ट-डिलीवरी रूम और 4 कॉटेज का निर्माण किया जाएगा। विधायक जेठानंद व्यास ने बताया कि जिला अस्पताल की सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में डीएमएफटी की बैठक में प्रस्ताव रखकर इसकी अभिशंसा की गई थी, जिसे अब जिला परिषद की ओर से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) के माध्यम से निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। विधायक के अनुसार इस परियोजना के पूरा होने से शहरी क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं और प्रसूताओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।

आजादी के बाद पहली बार हो रहा खालों का नवीनीकरण, अंतिम छोर तक बैठे किसानों को मिलेगा लाभ

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का किया लोकार्पण- शिलान्यास

(खबर आस पास)

बीकानेर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री सुमित गोदारा ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार कंवरसेन लिफ्ट के क्षतिग्रस्त खालों के नवीनीकरण के लिए 185 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इससे लूणकरणसर क्षेत्र के 28 हजार किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। गोदारा ने बुधवार को लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास के दौरान यह बात कही। उन्होंने महाजन के चक 3 आरबीएम, 172 एल, 172 आर, 196 आर में खालों के नवीनीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस कार्य पर 6 करोड़ 82 लाख रुपये व्यय होंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि खाले नवीनीकृत होने से पानी की छीजत रुकेगी और अंतिम छोर तक बैठे किसान को पर्याप्त पानी मिलेगा। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण ध्यान रखने के निर्देश दिए तथा अधिकारियों को कहा कि वे कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें।

गांव-गांव पहुंच रहे ग्राम रथ, किसानों को मिल रही योजनाओं की जानकारी

इस दौरान महाजन में ग्राम विकास चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान खाद्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर 23 से 25 मई तक जयपुर में होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) के प्रचार-प्रसार और ग्रामीण क्षेत्रों की योजनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए ग्राम रथ अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ग्राम विकास चौपाल आयोजित करते हुए संबंधित गांव की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने और इनके समाधान का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक ग्रामीण इनमें भागीदारी निभाएं एवं इनका भरपूर लाभ लें। उन्होंने मिठड़िया में ग्राम रथ का निरीक्षण भी किया तथा कला जत्थों के माध्यम से किए जा रहे प्रचार कार्य को देखा।

आमजन को समर्पित किए विकास कार्य

इससे पहले मंत्री गोदारा अर्जुनसर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 15 लाख रुपए की लागत से तैयार दो टीन शेड, मिठड़िया में 55 लाख रुपये की लागत से उप स्वास्थ्य केंद्र का तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 10 लाख रुपए की लागत से तैयार दो कक्षा-कक्षों का लोकार्पण किया। उन्होंने साबनिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्याऊ एवं 10 लाख रुपए की लागत के अन्य विकास कार्य, पांच लाख रुपए की लागत से तैयार बस स्टैंड, 35 लाख के ग्राम पंचायत भवन तथा 7.84 लाख के आंगनबाड़ी केंद्र भवन का लोकार्पण किया। ढाणी छिपलाई के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्याऊ व 10 लाख रुपए के अन्य विकास कार्य, पांच लाख के एक कक्षा-कक्ष का, 3 लाख के शौचालय निर्माण 20 लाख की लागत के दो कक्षा-कक्षों का शिलान्यास किया। रानीसर से रामबाग तक 66.50 लाख रुपए की लागत से तैयार 2 किलोमीटर सड़क का लोकार्पण किया।

पहली बार बदला गांवों का स्वरूप

इस दौरान आयोजित सभाओं के दौरान खाद्य मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा गत ढाई वर्षों में करवाए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहली बार गांव-गांव में विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे गांवों का स्वरूप बदल गया है। अब प्रत्येक क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं मुहैया हुई हैं। इससे आमजन का जीवन स्तर सुधरा है। उन्होंने कहा कि सभी स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध पूर्ण करें। इस दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। गोदारा ने कहा कि स्कूलों और स्वास्थ्य केन्द्रों में सुविधाएं बढ़ी हैं। सड़क तंत्र एवं पेयजल-विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ हुई है। डबल इंजन सरकार अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

राजस्थान के बीकानेर में एक सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश

(खबर आस पास)

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर में एक सनसनीखेज हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने आरोपी पति को बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। पत्नी की हत्या कर शव कुएं में फेंकने के बाद आरोपी 1230 किलोमीटर दूर भाग गया था, लेकिन चार दिन तक लगातार पीछा कर पुलिस ने आखिरकार उसे दबोच लिया। जानकारी के अनुसार यह घटना 30 अप्रेल की है। टेचरी फांटा क्षेत्र स्थित रोही किशनायत में एक फर्म हाउस के कुएं से दुर्गंध आने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को कुएं के अंदर महिला की लाश मिली, जिसकी पहचान अंशु (25) के रूप में हुई। शुरुआत में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन तथ्यों के आधार पर मामला हत्या का निकला। इसके बाद प्रकरण में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी छोटू कुमार, जो बिहार के समस्तीपुर का निवासी है, मृतका का पति है। वैवाहिक विवाद के चलते महिला अलग रह रही थी। आरोपी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और 14 अप्रेल को हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया। वारदात के बाद आरोपी मृतका की बच्ची को साथ लेकर फरार हो गया।

मोबाइल बंद कर सिम को फेंका

पुलिस से बचने के लिए आरोपी पति ने मोबाइल बंद कर लिया और सिम को भी रास्ते में ही फेंक दिया। आरोपी जयपुर, अहमदाबाद, सूरत व मुंबई में लगातार ठिकाने बदलता रहा। इसके बाद वह बिहार चला गया।

आरोपी पर रखा था 10 हजार रुपए का इनाम

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से चार दिन तक लगातार पीछा किया। अंततः आरोपी को समस्तीपुर (बिहार) से गिरफ्तार कर लिया गया। उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। पुलिस उससे मामले से जुड़े अन्य पहलुओं पर गहन पूछताछ कर रही है।

जिला अस्पताल में बनेंगे स्त्री और प्रसूति रोग ओपीडी, लेबर रूम, प्री डिलीवरी रूम, पोस्ट डिलीवरी रूम और 4 कॉटेज

विधायक जेठानंद व्यास की अभिशंसा पर डीएमएफटी से जारी हुई स्वीकृति

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास की अभिशंसा पर जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) द्वारा राजकीय एसडीएम जिला चिकित्सालय में स्त्री और प्रसूति रोग ओपीडी, लेबर रूम, प्री डिलीवरी रूम, पोस्ट डिलीवरी रूम और 4 कॉटेज निर्माण के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। विधायक जेठानंद व्यास ने बताया कि जिला अस्पताल की सुविधाओं के विकास के लिए सतत कार्यवाही की जा रही है। इसी श्रृंखला में डीएमएफटी की बैठक में इस बारे में प्रस्ताव और अभिशंसा की गई थी। जिला परिषद द्वारा इसकी स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से इसका निर्माण कार्य करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में यह कार्य होने से शहरी क्षेत्र की प्रसूताओं को सहूलियत होगी तथा उन्हें उच्च स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी तथा पीबीएम अस्पताल का भार भी कम होगा।

श्रीडूंगरगढ़ को पी एच डी विभाग में मिली बड़ी सौगात

नवीन सहायक कार्यालय सहित नवीन पदों का सृजन

विधायक ताराचंद सारस्वत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पीएचडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का जताया आभार

श्रीडूंगरगढ़ (खबर आस पास)। राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट की घोषणाओं के तहत क्षेत्र को महत्वपूर्ण सौगात मिली है। श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में नए उपखण्ड स्तरीय सहायक अभियंता (श्वह) कार्यालय के सृजन को मंजूरी दी गई है, जिससे क्षेत्र की पेयजल व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

इस महत्वपूर्ण निर्णय पर श्रीडूंगरगढ़ विधायक श्री ताराचंद सारस्वत ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं पीएचडी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय क्षेत्र की जनता के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इससे

जलदाय विभाग की कार्यप्रणाली में तेजी आएगी और आमजन को बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

विधायक सारस्वत ने कहा कि राज्य सरकार लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है और श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र को भी प्राथमिकता देते हुए योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नए कार्यालय और सहायक अभियंता,कनिष्ठ अभियंता सहित 7 कर्मचारियों के नवीन पदों के सृजन से न केवल प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित समाधान भी संभव हो सकेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार का पुनः धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और आगे भी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे।

अंतिम यात्रा की तैयारी के बीच 'जिंदा' हुई बुजुर्ग महिला, अलवर में रातभर रोते रहे परिजन

अलवर (खबर आस पास)। राजस्थान के अलवर जिले में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अजबगढ़ इलाके में 70 वर्षीय महिला को परिजनों ने मृत मान लिया और अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी, लेकिन सुबह अचानक महिला के शरीर में हलचल होने लगी। इसके बाद परिजन तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अजबगढ़ निवासी चमेली देवी की मंगलवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। काफी देर तक शरीर में कोई हरकत नहीं होने और सांसें बेहद धीमी पड़ने पर परिजनों ने उन्हें मृत समझ लिया। इसके बाद महिला को चारपाई से उतारकर जमीन पर लिटा दिया गया और रिश्तेदारों को मौत की सूचना दे दी गई। रातभर घर में मातम पसरा रहा और परिजन रोते-बिलखते रहे। सुबह अंतिम यात्रा की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान अचानक चमेली देवी के पैरों में हलचल हुई। यह देखकर परिवार और आसपास मौजूद लोग हैरान रह गए। इसके बाद परिजन तुरंत महिला को ष्ठड्डह्वद्दड्ड ष्ठद्बह्यह्लह्म्द्बष्ह्ल ॥शह्यश्चद्बह्लड्डद्य लेकर पहुंचे। अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें वार्ड में भर्ती किया गया। जिला अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट के नर्सिंग इंचार्ज महेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि महिला के परिजनों ने पहले मौत होने और बाद में सांसें चलने की जानकारी दी थी। संभवतः सांसें बहुत धीमी होने के कारण परिजन उन्हें मृत समझ बैठे थे। फिलहाल महिला की तबीयत में सुधार है और हालत स्थिर बताई जा रही है।

ग्राम रथ अभियान : जिले के 27 ग्राम पंचायतों के 11 हजार से अधिक ग्रामीणों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

(खबर आस पास)

बीकानेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर 28 अप्रैल से 12 मई तक आयोजित होने वाले ग्राम रथ अभियान के तहत बुधवार को जिले के 27 ग्राम पंचायत में 11 हजार 266 ग्रामीणों को ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट तथा राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। गांव-गांव पहुंचे ग्राम रथ ने कला जत्थों के कलाकारों के साथ पारंपरिक तरीके से राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में बताया। बुधवार को लूणकरणसर विधानसभा के कालू, नाथवाना, राजपुरा, अर्जुनसर, साबनिया, शेरपुरा, रामबाग व महाजन, नोखा के जसरासर, गजसुखदेसर, बिलनियासर, बागसेउ और मैनसर, श्रीडूंगरगढ़ के मोमासर, सत्तासर, लिखमादेसर, ठुकरियासर व जेतासर, खाजूवाला के 8 केवाईडी, 17 केवाईडी, 20 बीडी, 14 बीडी, 22 केवाईडी व 2 केडब्ल्यूएम में तथा कोलायत विधानसभा के नौखड़ा, टोकला, भाने का गांव, दियातरा व खारिया पतावतान में अभियान का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने ग्राम रथ का स्वागत किया महिलाओं ने मंगल गीत गाकर इसकी अगवानी की। इस दौरान ग्रामीणों को अभियान से जुड़े 13 विभागों के 21 हजार से अधिक प्रचार साहित्य वितरित किए गए।